अनमोल वचन

सत्य व धर्म से कमाया 'धन' हर प्रकार से सुख देता है।
छल व कपट से कमाया 'धन' हर प्रकार से दु:ख ही दु:ख देता है।

इस तरह

इस तरह न चलो कि देर हो जाए।
इस तरह न बोलो कि क्लेश हो जाए।
इस तरह न सोचो कि चिंता हो जाए।
इस तरह न खर्चो कि कर्ज हो जाए।
इस तरह न खाओ कि मर्ज हो जाए।
इस तरह न कमाओ कि पाप हो जाए।

धन से

धन से दवा मिलती है किन्तु स्वास्थ्य नहीं।
धन से सुख मिलता है किन्तु आनन्द नहीं।
धन से पुस्तक मिलती है किन्तु ज्ञान नहीं।
धन से बिस्तर मिलते हैं किन्तु नींद नहीं।
धन से भोजन मिलता है किन्तु भूख नहीं।
धन से आभूषण मिलती है किन्तु रूप नहीं।
धन से एकान्त मिलता है किन्तु शान्ति नहीं।
धन से साथी मिलते हैं किन्तु सच्चे मित्र नहीं।

आंखों में क्या है?

पिता की आँखों में..... फर्ज।
माता की आँखों में.... ममता।
भाई की आँखों में..... प्यार।
बहिन की आँखों में.... स्नेह।
अमीर की आँखों में.. घमण्ड।
गरीब की आँखों में... आशा।
मित्र की आँखों में... सहयोग।
दुश्मन की आँखों में.. बदला।
सज्जन की आँखों में... दया।
शिष्य की आँखों में... आदर।

एक चीज

लेने केलिये कोई चीज है तो ज्ञान।
देने केलिये कोई चीज है तो दान।
खाने केलिये कोई चीज है तो गम।
पीने केलिये कोई चीज है तो क्रोध।
कहने केलिये कोई चीज है तो सत्य।
जीतने केलिये कोई चीज है तो प्रेम।
दिखाने केलिये कोई चीज है तो दया।
फेंकने केलिये कोई चीज है तो ईर्ष्या।
छोडने केलिये कोई चीज है तो मोह।

सत्यं साधना कुटीर
१८१, ग्राम: गौहरी माफी, पो० रायवाला,
तह० ऋषिकेश, जिला: देहरादून, उत्तराखण्ड.
पिन: २४९२०५. ईपत्र: ssksds@hotmail.com
चल दूरभाष्: ९५५७१३०२५१, ९६३४८७३५९६.

Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM